Organized Seminar on Road Accidents on9th December, 2017 with students from 8th to 12th standards from all agra schools with approx. 1200 students in Soorsadan, Agra. That was inaugurated and by chief guest Honble Minister of Transport shri Swatantra Dev singh

स्कूलों में होगी ट्रैफिक नियमों की पढ़ाई : स्वतंत्र देव

आगरा | वरिष्ठ संवाददाता

सड़क हादसों में हो रही मौतों पर केंद्र और प्रदेश सरकार गंभीर है। प्रदेश सरकार सड़क यातायात नियमों को पढ़ाई का अनिवार्य अंग बनाने जा रही है। स्कूली पढ़ाई में ट्रैफिक का भी एक अध्याय जोड़ा जाएगा। प्रदेश के परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्वतंत्र देव सिंह ने शनिवार को सूरसदन प्रेक्षागृह में इसका एलान किया है। वे वॉइस ऑफ स्कूल एसोसिएशन उप्र और सुनामी ऑन रोड के सड़क सुरक्षा सेमिनार को संबोधित कर रहे थे।

परिवहन मंत्री ने कहा कि देश और राज्य के साथ सड़क हादसे हर शहर के लिए गंभीर समस्या है। युवाओं की मौत समाज के साथ परिवारों को झकझोर देती हैं। लिहाजा प्रदेश सरकार ने इसे स्कूली पढ़ाई में शामिल करने का फैसला लिया है। स्कूली शिक्षा में यातायात और इसके नियमों का एक अध्याय जोड़ा जाएगा। जल्द ही फैसले को अमल में लाने की तैयारी है। मंत्री ने कहा कि सड़क हादसों में कई होनहार प्रतिभाएं भी जान से हाथ धोती रही हैं। घायलों की मदद को आगे न आना मौतों का बड़ा कारण है। उन्होंने बच्चों को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उदाहरण देते हुए कहा कि देश की इतनी बड़ी सख्शियतें भी हमेशा ट्रैफिक के नियमों का पालन करती रही हैं। उन्होंने प्रेक्षागृह में बैठे बच्चों की ओर इशारा करते हुए कहा कि इन्हीं में से कोई कल का कलाम या मोदी हो सकता है। बशर्ते, उन्हें सड़क हादसों से बचाया जाए।

उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा परिषद के गठन के बाद प्रदेश भर में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसके नतीजे हैं कि 2016-17 में सड़क हादसों में मारे जाने वालों की संख्या में 1.4 प्रतिशत की कमी आई है। जबकि 2015 में 18 हजार की मौत हुई हैं। यह आंकड़ा 2014 से 9.3 प्रतिशत अधिक था। सरकार ने हादसे रोकने के लिए और लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए एक मुहिम भी चलाई है। रोडवेज बसों को चलाते समय ड्राइवर मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करेगा। अगर कोई नागरिक ऐसा करते हुए ड्राइवर के फोटो भेजता है तो उसे एक हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

अध्यक्षता करते हुए हिन्दुस्तान के समूह संपादक शशि शेखर ने कहा कि हमारे देश में लोग अधिक संवेदनशील हैं। कई साल पहले सड़क हादसे में घायल उनके दो सहयोगियों को पुलिसकर्मियों ने तत्काल इलाज मुहैया कराकर बचाया था। जबकि एक बड़े उद्योगपति की बेटी लंदन में जब दोस्तों के साथ कार हादसे में घायल हुई तो दोस्त ही छोड़कर चले गए। लिहाजा घायलों की मदद को हमेशा आगे रहना चाहिए। सड़क पर अनुशासित रहना चाहिए। सेमिनार में डॉ. संजीव कुलश्रेष्ठ ने बच्चों को स्लाइड प्रेजेंटेशन के माध्यम से हादसों के कारण, आंकड़े और निवारण के बारे में बताया। वोसा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राहुल राज ने घायलों की मदद करने वालों को 'रोड ऑन सोल्जर' की उपाधि से नवाजा। सेमिनार में डॉ. ओपी यादव ने शिक्षक और विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। संचालन निधि सोनी ने किया।

सूरसदन प्रेक्षागृह में शनिवार को श्रीगणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का शुभारंभ करते प्रदेश के परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्वतंत्र देव सिंह। साथ हैं संस्था के पदाधिकारी। • हिन्दुस्तान

सेमिनार को संबोधित करते हिन्दुस्तान के समूह संपादक शशि शेखर। • हिन्दुस्तान

गुजरातियों को नहीं आता गुस्सा

परिवहन मंत्री ने कच्छ (गुजरात) में एक महीने के प्रवास के दौरान यातायात के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने बताया कि वे विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए एक महीने वहां रहे। वहां के लोगों में सहनशीलता बहुत है। कभी गुस्सा नहीं आता है। आमने-सामने गाड़ियां फंस जाने पर दोनों ओर के लोग गाड़ियां पीछे हटाने को तैयार रहते हैं। ऐसी मिसाल पहले कहीं नहीं देखी गई। ड्राइवर रखने वाले लोग भी उनका पूरा ख्याल रखते हैं।

वीडियो न बनाएं, जान बचाएं

सेमिनार में बच्चों ने भी अपने अनुभव सुनाए। प्रवर्तिका राज ने कहा कि भीड़ घायल की जान बचाने की बजाए वीडियो बनाते रहते हैं। ऐसा करने की बजाए घायलों को अस्पताल पहुंचाना चाहिए। अंकिता मिश्रा ने सुरक्षित चलकर जीवन बचाए रखने की अपील की। अभय प्रताप ने कहा कि स्कूली बच्चे अक्सर तीन सवारी चलते हैं। इससे बचना चाहिए।

सम्मानित हुए प्रबुद्धजन

सेमिनार में सड़क सुरक्षा संबंधी कार्यक्रमों में आगे रहने वाले प्रबुद्धजनों का सम्मान किया गया। डॉ. अतुल कुलश्रेष्ठ, डॉ. आरसी मिश्रा, आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जेएन टंडन, डॉ. अशोक विज, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, डॉ. संजय, डॉ. निखिल चतुर्वेदी, मुकेश जैन, होली पब्लिक स्कूल के निदेशक संजय तोमर, डॉ. मीता कुलश्रेष्ठ, विधायक रामप्रताप सिंह चौहान, जगन प्रसाद गर्ग, महेश बघेल, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम भदौरिया, महानगर अध्यक्ष विजय शिवहरे, जीएल पब्लिक स्कूल के डॉ. अतुल कुलश्रेष्ठ, वोसा के डॉ. रविन्द्र भदौरिया, मिल्टन पब्लिक स्कूल की डॉ. प्राची राज, हैरटेज स्कूल के लाखन सिंह कुशवाह, बलूनी स्कूल के डॉ. ललितेश यादव, यातायात पुलिस की ओर से टीएसआई प्रशांत कुमार को प्रतीक चिन्ह दिया गया।

सूरसदन प्रेक्षागृह में शनिवार को वॉइस ऑफ स्कूल एसोसिएशन उप्र और सुनामी ऑन रोड की ओर से आयोजित सड़क सुरक्षा सेमिनार में मौजूद अतिथिगण और विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी। • हिन्दुस्तान

सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें भविष्य के 'मोदी-कलाम'

प्रदेश के परिवहन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने स्कूली बच्चों से सीट बेल्ट, हेलमेट के साथ सफर करने का आह्वान किया

अमर उजाला ब्यूरो
आगरा।

देश की दो बड़ी हस्तियां पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सड़क सुरक्षा के नियम-कानून का पालन किया। चाहे वह बेहद नजदीक ही क्यों न गए हों, सीट बेल्ट या हेलमेट जरूर लगाया है। अनुशासन और नियमों का पालन कर आप भी भविष्य के मोदी-कलाम बन सकते हैं। सूरसदन में स्कूली बच्चों से यह आह्वान किया प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्वतंत्र देव सिंह ने, जो वॉयस आफ स्कूल एसोसिएशन (वोसा) द्वारा सड़क सुरक्षा पर आयोजित सेमिनार में दुर्घटना से बचाव विषय पर संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भविष्य के मोदी, कलाम आप हैं। प्रदेश सरकार सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए गंभीर है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार शशि शेखर, परिवहन राज्यमंत्री स्वतंत्र देव सिंह, विधायक रामप्रताप सिंह, मुख्य वक्ता सुनामी ऑन रोड अध्यक्ष डा. संजय कुलश्रेष्ठ, वोसा अध्यक्ष डा. राहुल राज ने किया। सेमीनार में डा. अतुल कुलश्रेष्ठ, लाखन सिंह कुशवाह, डा. रविंद्र भदौरिया, डा. मीता कुलश्रेष्ठ, डा. मुनीश्वर गुप्ता, डा. जेएन टंडन, डा. संजय चतुर्वेदी, संजय तोमर, आनंद राय तथा शहर के 50 से ज्यादा स्कूलों के विद्यार्थी मौजूद रहे। सेमीनार में शपथ दिलाई गई कि वह दुर्घटना में घायल लोगों की मदद करेंगे। वोसा ने कहा कि जो बच्चे एक्सीडेंट में घायलों की मदद करेंगे, उन्हें रोड ऑन सोल्जर की उपाधि और प्रमाण दिया जाएगा। सुनामी आन रोड के अध्यक्ष डॉ. संजय कुलश्रेष्ठ ने कहा कि सड़क दुर्घटना में छोटी सी गलती या लापरवाही की सजा सबसे बड़ी है।

सूरसदन प्रेक्षागृह में वॉयस ऑफ स्कूल एसोसिएशन की ओर से रोड ऑन एक्सीडेंट सोल्जर सेमिनार में यातायात के नियमों का पालन करने की शपथ लेते अतिथि (बाएं) संबोधित करते परिवहन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह।

17	हजार लोगों की एक्सीडेंट में 2015 में हुई मौत
19320	लोग साल 2016 में सड़क दुर्घटना में मरे
2014	में सड़क हादसों में 9.3 फीसदी का इजाफा

वाहन चलाते समय ईयर फोन का इस्तेमाल नहीं करें

स्वतंत्र देव सिंह ने युवाओं से कहा कि वह वाहन चलाते समय ट्रिपलिंग, मोबाइल फोन, ईयर फोन का प्रयोग नहीं करें। लाइसेंस के साथ ही वाहन चलाएं। घर से निकलते ही दो पहिया पर हेलमेट और कार में बैठते ही सीट बेल्ट लगाने की आदत डाल लें। प्रदेश सरकार सड़क दुर्घटनाओं को रोकने पर गंभीर है, इसलिए लाइसेंस देने में सख्ती की जा रही है।

यूपी में एक्सीडेंट में मौत ज्यादा, केरल में कम

परिवहन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक्सीडेंट कम हैं, लेकिन सड़क पर मरने वालों की संख्या ज्यादा है, वहीं केरल में एक्सीडेंट ज्यादा हैं, लेकिन मौतों की संख्या कम है। केरल में सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति लोग जागरूक हैं। सीट बेल्ट, हेलमेट, ट्रैफिक लाइट और गति का ख्याल रखते हैं। गुजरात में भी सड़क दुर्घटनाएं कम हैं। एक महीने चुनाव प्रचार के तौर पर गुजरात में बिताने वाले परिवहन मंत्री ने कहा कि सड़क पर वहां वाहन चालक गुस्सा नहीं होता, जबकि प्रदेश में लड़ते दिखते हैं।

मोबाइल पर बात करते चालक की फोटो भेजें, पुरस्कार लें

परिवहन मंत्री ने स्कूली बच्चों और लोगों से कहा कि निगम की बसों के चालक, परिचालक को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि मोबाइल पर बात नहीं करें। अगर कोई यात्री किसी भी ड्राइवर को गाड़ी चलाते समय मोबाइल पर बात करते देखे तो उसका फोटो भेज दे। सरकार उसे एक हजार रुपये का पुरस्कार देगी और चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

साधारण बसों का भी किराया घटा सकती है योगी सरकार

वृंदावन (मथुरा)। योगी सरकार प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों में वाल्वो बस सुविधा जल्दी प्रारंभ होगी। यह बात प्रदेश के परिवहन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने वृंदावन में कही। उन्होंने बताया कि बस किराया घटाने की योगी सरकार समीक्षा कर रही है। आने वाले दिनों में साधारण बसों का किराया भी घटाया जा सकता है। उन्होंने धर्मनगरी वृंदावन से प्रदेश के कई बड़े शहरों के लिए सीधी बस सेवा शुरू करने की बात भी कही।

पार्षदों की जिम्मेदारी बढ़ी, हारे प्रत्याशी जन सेवा में जुटें

आगरा (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित मेयर और पार्षदों का अभिनंदन पचकुइयां स्थित माथुर वैश्य सभा भवन में हुआ। इस अवसर पर हारे हुए प्रत्याशियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परिवहन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने

पृथ्वीराज चौहान के नाम पर हो आईएसबीटी

पूर्व मंत्री अरिदमन सिंह, विधायक पक्षालिका सिंह ने परिवहन मंत्री से की मांग

आगरा (ब्यूरो)। प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री स्वतंत्र देव सिंह से पूर्व मंत्री अरिदमन सिंह और बाह विधायक पक्षालिका सिंह ने ट्रांसपोर्ट नगर स्थित अंतर्राज्यीय बस अड्डा (आईएसबीटी) का नाम राजा पृथ्वीराज चौहान के नाम पर रखा जाने की मांग की।

शनिवार को उन्होंने सर्किट हाउस में परिवहन मंत्री से मुलाकात कर कहा कि नामकरण से हिंदू सम्राट पृथ्वीराज चौहान के गौरवशाली इतिहास से लोग प्रेरित हो सकेंगे। उन्होंने बाह के भदावर डिपो में बसों की संख्या बढ़ाए जाने और दूसरे राज्यों के लिए बस चलाने की व्यवस्था करने की मांग की।

पूर्व मंत्री अरिदमन सिंह ने कहा कि उनके परिवहन मंत्री रहते हुए ही आईएसबीटी की स्थापना हुई थी। तब उनके नाम पर बस अड्डे का नाम रखने की मांग नहीं थी। जब जागो, तभी सवेरा है, इसलिए अब नामकरण कर देना चाहिए। लोगों के बीच हिंदू सम्राट का इतिहास पहुंचना चाहिए।

ओवरलोडिंग पर कसेंगे नकेल: स्वतंत्र देव

आगरा (ब्यूरो)। प्रदेश के परिवहन मंत्री स्वतंत्र देव ने सर्किट हाउस पर अधिकारियों के साथ बैठक कर ओवरलोडिंग और डग्गामार वाहनों पर नकेल कसने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर से देहात के बीच बेहतर ट्रांसपोर्ट सिस्टम विकसित किया जाए। बसों की हालत में सुधार और उनके रखरखाव में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। गुजरात चुनाव से हाल में लौटे स्वतंत्र देव सिंह ने मीडिया से वार्ता में कहा कि पार्टी गुजरात चुनाव में 150 सीटें पाकर फिर सरकार बनाएगी। कांग्रेस प्रधानमंत्री को कितने भी अपशब्द कहे, भाजपा गांव, गरीब, शोषितों की पार्टी है। साधारण कार्यकर्ता की लड़ाई भाजपा ही लड़ रही है। योगी और मोदी के नेतृत्व में प्रदेश और देश विकास की राह पर हैं।

जाम में फंसे मेयर पैदल जाना पड़ा

पचकुइयां चौराहे और पर जाम की ...

न्यूज ब्रेवरी

छोटी-छोटी बातों पर न करें गुस्सा

http://epaper.amarujala.com/ac/my/20171210/08.html?format=img&ed_code=ac

Gutted to miss out tonight, but it's a long season. Need to make sure I'm back 100% to get my season started properly! Come on tonight the lads! @Humey_7

'सुरक्षित सफर को बरतें सावधानी'

» वॉयस ऑफ स्कूल एसोसिएशन की ओर से आयोजित हुआ सेमिनार

PICS : DAINIK JAGRAN INEXT

agra@inext.co.in

AGRA (9 Dec.): भारत में आकस्मिक मौतों में मुख्य पांच कारणों में से सड़क दुर्घटना का कारण दूसरे नंबर पर है. पिछले कुछ वर्षों में देश में सड़क दुर्घटना से होने वाली मौतों में कई गुना इजाफा हुआ है. ऐसे में सड़क पर चलते हुए अतिरिक्त सावधानी रखना ज्यादा जरूरी हो गया है. वॉयस ऑफ स्कूल एसोसिएशन उप्र की ओर से शनिवार को सड़क सुरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया. जिसमें स्कूली स्टूडेंट्स को सड़क पर चलते हुए ध्यान रखे जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक किया गया.

युवाओं को ट्रेंड करने की पहल

वॉयस ऑफ स्कूल एसोसिएशन की ओर से रोजाना घटती सड़क दुर्घटनाओं में युवाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए व पूरे प्रदेश में विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के बच्चों को रोड एक्सीडेंट शोल्जर के रूप में प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से इस सेमिनार का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में परिवहन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह व डॉ. संजय कुलश्रेष्ठ उपस्थित रहे.

विशेषज्ञों ने किया जागरूक

अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. कार्यक्रम में विशेषज्ञों सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े, नुकसान और बचाव के उपाय बताकर जागरूक किया गया. इस दौरान स्टूडेंट्स के बीच प्रश्नोत्तरी भी आयोजित करवाई गई. इस अवसर पर डॉ. अतुल कुलश्रेष्ठ, मंडल अध्यक्ष लाखन सिंह कुशवाह आदि उपस्थित रहे.

सूरसदन ऑडिटोरियम में आयोजित सेमिनार में जानकारी देते एक्सपर्ट.

सेमिनार का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करते अतिथिगण.

http://inextepaper.jagran.com/1461094/i-next-agra/10-12-17#page/6/1

सुनामी से ज्यादा खतरनाक है सड़क पर मौत का तांडव

आगरा | हिन्दुस्तान टीम

लोग सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदा को जीवन के लिए खतरा मानते हैं। यह कभी कभार ही अपना क्रूर चेहरा दिखाती है। इससे ज्यादा तो मौत का तांडव हमारे देश की सड़कों पर चलता है। सुनामी में मृतकों की संख्या महज दस हजार थी। जबकि देश की सड़कों पर हर साल डेढ़ लाख असमय ही मौत के शिकार हो जाते हैं। इस स्थिति के बावजूद हम लोग सड़क सुरक्षा को गंभीरता से नहीं ले रहे।

सूरसदन प्रेक्षागृह में शनविार को वॉइस ऑफ स्कूल एसोसिएशन के सड़क सुरक्षा और जागरूकता सेमिनार में बच्चों के सर्जन डॉ. संजय कुलश्रेष्ठ ने अपने प्रजेंटेशन में यह बात रखी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के कौन से कारक हैं। चालकों के स्तर से क्या लापरवाही होती है। एक्सीडेंट के बाद किस तरह इलाज मिलता है। किस तरह दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि सड़क हादसे से जुड़े पांच पक्ष होते हैं। वाहन निर्माता, सड़क बनाने वाली संस्था, परिवहन विभाग, यातायात पुलिस और स्वास्थ्य देने वाली संस्था। इन सभी को अहम भूमिका निभानी होगी। लोगों को जागरूक करना होगा। न सिर्फ एक्सीडेंट रोकने को, बल्कि उसके शिकार लोगों को समय से मदद पहुंचाने को।

प्रजेंटेशन में रखे ये बिंदु

47 साल में सड़क पर मौत दस गुनाः वर्ष 1970 में 14,500 लोग सड़क हादसे में मौत का शिकार हुए। वर्ष 2016 में यह आंकड़ा डेढ़ लाख पहुंच गया। मतलब साफ है, रोजाना 400 जिंदगियां रोज चली जाती हैं। हर तीन-चार मिनट में एक मौत हो जाती है। मौत के कारणों की बात करें तो सड़क हादसे दूसरा सबसे बड़ा कारण हैं। इससे ज्यादा मौत टीबी से होती हैं। इस खतरनाक स्थिति से किसी के घर का चिराग खत्म हो जाता है तो किसी के घर का मुख्य आय का स्रोत। हर साल 5-6 लाख लोग अपंग हो जाते हैं। मृतकों में तीस फीसदी बच्चे और किशोर होते हैं। हादसों में मौत की संख्या मर्डर और आतंकी घटनाओं से कहीं ज्यादा होती हैं। यहां तक कि एक युद्ध में होने वाली मौत से भी ज्यादा सड़क पर जानें जाती हैं।

http://epaper.livehindustan.com/story.aspx?id=2407715&boxid=126385770&ed_date=2017-12-10&ed_code=8&ed_page=4

Suggestions To Govt:

भारत में बढ़ती हुई सड़क दुर्घटना में सुप्रीम कोर्ट ने मई २०१४ में तीन जज की एक कमेटी गठित की थी जिसके चेयरमैन जस्टिस के एस राधाकृष्णन हैं। इस कमेटी के समक्ष १४ - ११ - १४ को वौइस् ऑफ़ आगरा के डॉ संजय कुलश्रेष्ठ ने अपने सुझाव एक पोवे पॉइंट प्रेजेंटेशन के द्वारा दिए. पहले लिखित में दिए गए सुझावों के पसंद आने पर इस कमेटी ने डॉ संजय कुलश्रेष्ठ को रोड सेफ्टी की मीटिंग में ता. १४ को विज्ञानं भवन में बुयाया था. इसमें डॉ संजय ने निवेदन किया था की उन्हें अपने सुझाव एक स्लाइड शो के जरिये मौका दिया जाए तो बेहतर होगा. क्यूंकि ये एक बहुत जटिल हो चुकी समस्या है और बहुत सारे फैक्टर्स और एजेंसीज इससे जुडी हुयी हैं जैसे, ट्रैफिक पुलिस, रोड कंस्ट्रक्शन, हेल्थ, ऑटोमोबाइल्स, रोड ट्रांसपोर्ट आदि, इसलिए अच्छा होगा उन्हें एक पोवे पॉइंट प्रेजेंटेशन का मौका दिया जाये. सुप्रीम कोर्ट कमेटी ने उनकी मांग स्वीकार करके एक मीटिंग केवल डॉ सनजय के साथ १४ नवंबर को राखी और घंटे का समय प्रेजेंटेशन को दिया. हालाँकि प्रेजेंटेशन डेढ़ घंटे चला और कमेटी को काफी तरह के सुझाव पसंद आये और अनौपचारिक रूप से भी उनसे इस समस्या के बारे अलग से डिस्कुस्स भी किया. उनके द्वारा लिखी गयी सड़क दुर्घटना पर किताब " सुनामी ओन रोड वेक अप इंडिया" जिसका कवर पेज विख्यात कार्टूनिस्ट श्री आर के लक्ष्मण ने बनाया है, काफी पसंद आई. कमेटी में दिए गए कुछ सुझाव निम्न हैं

कमेटी में दिए गए कुछ सुझाव निम्न हैं

1. सड़क दुर्घटना के लिए एक अलग से नेशनल प्रोग्राम बनाया जाये जैसे की पोलियो, टी बी, एड्स आदि के लिए है क्युकी सड़क दुर्घटने एक महा मरी का रूप ले चली है.
2. ट्रैफिक साइंस स्कूल और कॉलेज में एक सब्जेक्ट की तरह शामिल किया जाये. बल्कि ट्रैफिक साइंस को एक इंजीनियरिंग का सब्जेक्ट भी बनाया जाये. क्यूंकि रोड कंस्ट्रक्शन और ऑटोमोबाइल अ टर्नओवर देखते हुए आने वाले समय में इसकी डिमांड बड़ेगी.
3. एम्बुलेंस सेवा राष्ट्रीय स्टार पर बदनी चाहिए
4. सेंसर बोर्ड से ऐसे सीन पास नहीं होने चाहिए जिसमें ट्रैफिक का उल्लंघन दिखाया है.
5. राष्ट्रीय स्टार पर १५-२० समाज के ऐसे लोगों को पुरूस्कार शुरू किया जाए जो सड़क दुर्घटना में घायल अनजान लोगों के लिए मदद को आगे आते हैं .
6.truck ke चारों तरफ अंडर रन गार्ड होने चाहिए.
7. कार के आगे मेटल के बम्पर बन होने चाहिए
८, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सपोर्ट जो की अभी काफी नहीं है, उसको बढ़ाया जाये.
9. ट्रैफिक पुलिस का हाईवे पर भी उपयोग किया जाये. साथ ही उन्होंने ट्रैफिक पुलिस की समस्यायों के बारे में भी संज्ञान लेने को कहा. ट्रैफिक पुलिस पर बहुत स्ट्रेस है और पोल्लुशण से इनके स्वास्थ पर बुरा असर पड़ता है. और ये महकमा चूँकि डिसिप्लिन से बंधा है इसलिए के सरकार का ही काम है की इनकी समस्या का खुद संज्ञान ले

SANJAY KULSHRESHTHA, MBBS, MS, MCh, FIAPS, Consultant Pediatric Surgeon, Sarkar Hospital, Delhi gate, Agra, Mb – 09897078456,
For presentation please see:

https://www.scribd.com/doc/246584531/Road-safety-suggestion-to-Supreme-Court-Committee-to-control-fatalities-in-India

I am extensively studying the subject of road traffic hazards in india and have written a book on it http://www.tsunamionroads.org/e.book.pdf

सुनामी ऑन रोड : भारत में होती हैं सबसे अधिक मौतें

• प्रतिवर्ष एक लाख से अधिक लोग गंवाते हैं जान

• सड़क पर प्रदूषण से 5.27 लाख लोगों को

अधूरे रह गए गरीबों के घर

• मंडल में 4712 आवास अधूरे

भोजपुरिया माटी का मुझ पर बड़ा एहसान : रविकिशन

सुनामी से ज्यादा मौतें सड़क हादसों में

भीम वाटिका में बनेगा कम्युनिटी हाल

अम्बेडकर पार्क जहां प्रदर्शि

• 4 करोड़ 61 लाख से हुई सजावट

• 5 से 10 हजार रुपए का है एक-एक

सुनामी ऑन रोड्स वेकअप इंडिया में लक्ष्मण के कार्टून

जागरण संवाददाता, आगरा: विख्यात कार्टूनिस्ट आरके लक्ष्मण ने आगरा के लेखक की किताब के लिए भी कार्टून बनाए थे। उन्होंने डॉ. संजय कुलश्रेष्ठ की किताब 'सुनामी ऑन रोड्स वेकअप इंडिया' का कवर पेज तैयार करने के साथ पांच कार्टून भी बनाए।

डॉ. कुलश्रेष्ठ ने बताया कि वर्ष 2010 में अपनी किताब के लिए मैंने कार्टूनिस्ट आरके लक्ष्मण से संपर्क किया था। ब्रेन स्ट्रोक की वजह से चलने-फिरने में लाचार होने के बाद वह व्हीलचेयर पर बैठकर कार्टून बनाते थे। उनके मुंबई और पूना ऑफिस में संपर्क करने के बाद जब कोई जवाब नहीं मिला तो उनकी बेटी उषा लक्ष्मण से संपर्क कर उन तक संदेश पहुंचाया। कार्टून बनाने से पूर्व उन्होंने किताब की मेनस्क्रिप्ट पढ़ने की इच्छा जताई। इसके बाद उन्होंने कवर पेज के साथ ही कार्टून बनाए। वॉइस ऑफ आगरा इसके लिए हमेशा उनका आभारी रहेगा।

part ition. years

at their very best in the event.Those present gave a round of applause.

'ACCIDENTS ARE MAN-MADE TSUNAMI'

HT Live Correspondent
saron@hindustantimes.com

AGRA: Share society, which comes to rescue in road emergencies, celebrated their 50th anniversary. Dr Sanjay Kulshrestha inaugurated a book 'Tsunami on Roads Wake Up India!' during their celebration,

It's because of the efforts of society that '102 ambulance' service is working; many more feats have been achieved by this society.The data shown in the presentation quoted WHO Director LEE Jong Wook. The figures that came to light were grim."Everyday, around 1,40,000 injuries take place. Out of which around 3,000 die and 15,000 lead a disabled life." Dr Sanjay Chaturvedi said many accidents like these could be avoided.

The author explained the reason behind the use of word 'tsunami'. He said though it was a natural disaster, yet the accidents are man-made version of tsunami.

को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक

25 करोड़ संक्रमित P17

सड़क सम्मोहन से हो रहे बसों में सर्वाधिक हादसे

सर्वेक्षण

■ अवनीश जायसवाल

लखनऊ। लंबी दूरी की यात्रा पर निकलते हुए रोड साइन बोर्ड पर गंतव्य की दूरी 200 किलोमीटर दूर है और थोड़ा वक्त बीतने के बाद दूसरे साइन बोर्ड पर यही दूरी आपको सिर्फ 100 किमी नजर आए तो दिमाग चौंक सकता है कि आधी दूरी कहां चली गई। सवाल उठता है कि इस सौ किमी दूरी के दौरान हमने क्या किया। ना सोए, ना कोई हादसा हुआ, फिर बीता हुआ वो समय आखिर याद क्यों नहीं है। ऐसा आपने अक्सर हाईवे पर वाहन चलाते हुए महसूस किया होगा। यह पूरा वाकया रोड हिप्नोसिस यानी सड़क सम्मोहन है।

यूपी उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम की ओर से जारी रोड सेफ्टी रिपोर्ट के मुताबिक बीते तीन माह में 95 बस हादसे इन्हीं वजहों से हुए, जिनमें करीब पचास से अधिक लोगों की जान चली गई। औसतन 100 बस हादसों में से 32 सड़क सम्मोहन से हो रहे हैं। इसकी गवाही खुद बस चालकों ने विभिन्न हादसों के बाद अफसरों के सामने दी। परिवहन निगम ने 25 हजार बस ड्राइवरों को सड़क सम्मोहन से बचने के लिए जरूरी उपायों के पालन का निर्देश जारी कर दिया है।

सड़क सम्मोहन क्या

हिप्नोसिस एक तरह से झपकी है, जो नींद के पहले की ही एक अवस्था है। इसमें चालक बस चलाते समय आंखें खोलकर सो रहा होता है। पर दिमाग की एक्टिविटी शिथिल हो जाती है। आंखें पूरी तरह खुली रहतीं हैं, लेकिन इमरजेंसी की स्थिति में मस्तिष्क त्वरित एक्शन नहीं ले पाता। रिसर्च कहती हैं कि ज्यादातर ड्राइविंग अचेतन अवस्था में होती हैं। इस क्रिया के दौरान तीन काम कुछ ही क्षणों में होते है।

“पिछले कुछ सालों भारत में न केवल अच्छे एक्सप्रेस-वे और हाईवे बने हैं, बल्कि ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी नई-नई टेक्नोलॉजी और ड्राइविंग सेफ और आरामदायक बनाने वाले फीचर शामिल हुए हैं। इसके बाद भी रोड हिप्नोसिस (सम्मोहन) से दुर्घटनाएं थम नहीं रहीं। ऐसे में वाहन चालकों को खुद को चौकन्ना रहने की जरूरत है।

- डॉ. संजय कुलश्रेष्ठ, रोड सेफ्टी विशेषज्ञ, पीडियाट्रिक सर्जन